SLUM LIFE UP LIFTMENT MISSION

झुग्गी झोपड़ी जीवन उत्थान मिशन

झुग्गी मुक्त भारत

स्लम फाउंडेशन

सेवा के दस वर्ष 2015-2025

"हम साथ-साथ चलते हैं,
हम साथ-साथ सोचते हैं,
हम साथ-साथ संकल्प लेते
हैं, और साथ-साथ हम इस
देश को आगे ले जाते हैं।"

प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

भारत सरकार की झुग्गी-झोपड़ी निवासियों के लिए योजनाएँ

1. प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी एवं ग्रामीण (PMAY-U) & (PMAY-G)

शुरुआत: 2015
उद्देश्य: 2022 तक "सभी के लिए आवास"
लाभ:

- शहरी गरीबों/झुग्गी निवासियों के लिए पक्के मकान
- भूमि को संसाधन मानकर झुग्गियों का पुनर्विकास
- गृह ऋण पर ब्याज सब्सिडी
- स्वयं द्वारा घर निर्माण/विस्तार हेतु सहायता
  क्रियान्वयन एजेंसी: आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

---

2. दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

उद्देश्य: शहरी गरीबी को कम करना व आजीविका के अवसर बढ़ाना
घटक:

- कौशल विकास एवं प्रशिक्षण
- स्वरोज़गार हेतु सहायता
- बेघर लोगों के लिए रैन बसेरे (SUH)
- शहरी स्ट्रीट वेंडर्स को सहयोग

---

3. स्वच्छ भारत मिशन – शहरी (SBM-U)

शुरुआत: 2014
उद्देश्य: खुले में शौच की समाप्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
झुग्गियों में प्रभाव:

- व्यक्तिगत/सामुदायिक शौचालयों का निर्माण
- स्वच्छता जागरूकता अभियान
- कचरा संग्रहण की व्यवस्था

---

4. अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT)

उद्देश्य: 500 शहरों में बुनियादी शहरी ढाँचे का विकास
झुग्गियों में लाभ:

- सार्वभौमिक जल आपूर्ति एवं सीवरेज
- हरित क्षेत्र व उद्यान
- जल निकासी की व्यवस्था

---

5. स्मार्ट सिटीज़ मिशन

फोकस: समावेशी शहरी विकास
झुग्गियों में समावेश: कुछ शहरों में स्मार्ट विशेषताओं (जैसे सौर ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, स्मार्ट निगरानी, Wi-Fi) के साथ झुग्गी पुनर्विकास

---

6. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) – शहरी स्वास्थ्य पहल

झुग्गी स्वास्थ्य फोकस:

- शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (UPHCs)
- मोबाइल मेडिकल यूनिट्स
- मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन पर जोर
- शहरी आशा कार्यकर्ताओं की तैनाती

---

7. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA)

लाभ:

- पीडीएस के तहत सस्ती दरों पर अनाज
- झुग्गी क्षेत्र के बीपीएल परिवारों को लक्षित सहायता
- अंत्योदय अन्न योजना (AAY) में शामिल

---

8. जल जीवन मिशन (शहरी)

लक्ष्य: हर शहरी परिवार को नल कनेक्शन
झुग्गियों में फोकस:

- पाइप से जल आपूर्ति
- जल गुणवत्ता की निगरानी

---

9. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) *(अब आयुष्मान भारत में विलीन)*

लक्ष्य: बीपीएल परिवार, जिसमें झुग्गी निवासी शामिल
लाभ: प्रति परिवार ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

---

10. स्ट्रीट वेंडर्स (जीविका संरक्षण एवं विनियमन) अधिनियम, 2014

प्रभाव: झुग्गियों में रहने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को कानूनी संरक्षण
प्रावधान:

- नामित क्षेत्रों में व्यापार करने का अधिकार
- पहचान पत्र और विक्रेता लाइसेंस

11. शिक्षा से संबंधित

समग्र शिक्षा अभियान (Samagra Shiksha Abhiyan) : प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्कूल भवन सुधार, स्मार्ट क्लास, शिक्षक प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति और विशेष शिक्षा समर्थन।

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA): माध्यमिक स्तर के स्कूलों की पहुँच और गुणवत्ता सुधारने हेतु विशेष फंडिंग, खासकर शहरी झुग्गियों और पिछड़े क्षेत्रों के लिए।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (Saakshar Bharat): वयस्कों और अशिक्षितों के लिए पढ़ाई-लिखाई सिखाने की पहल, झुग्गी बस्तियों में महिला साक्षरता पर विशेष जोर।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (Mid-Day Meal Scheme): सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में बच्चों को मुफ्त पौष्टिक भोजन, ताकि नामांकन और उपस्थिति बढ़े।

ई-पाठशाला एवं DIKSHA पोर्टल: डिजिटल शिक्षा सामग्री मुफ्त उपलब्ध, स्मार्टफोन या डिजिटल लाइब्रेरी से पढ़ाई का अवसर।

12. दवाई/स्वास्थ्य से संबंधित

आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY): गरीब परिवारों को प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का मुफ्त इलाज, झुग्गी क्षेत्रों में कैंप और मोबाइल क्लीनिक।

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NUHM): शहरी गरीबों, झुग्गी बस्तियों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ, मोबाइल हेल्थ यूनिट, डिस्पेंसरी, महिला एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम।

मिशन इंद्रधनुष: 0-2 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं का मुफ्त टीकाकरण।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना: कम दाम पर जेनेरिक दवाइयों की दुकानें, झुग्गी क्षेत्रों में सस्ती दवाई की उपलब्धता।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम: झुग्गी बस्तियों में टीबी रोगियों की मुफ्त जांच, इलाज और पोषण सहायता।

13. सफाई से संबंधित

स्वच्छ भारत मिशन – शहरी: झुग्गी क्षेत्रों में सामुदायिक और व्यक्तिगत शौचालय, कचरा प्रबंधन, सफाई जागरूकता अभियान।

अटल मिशन फॉर रीजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT): शहरी गरीब क्षेत्रों में पेयजल, सीवरेज और ड्रेनेज सिस्टम सुधार।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM) – सफाई कर्मी योजना: सफाई कर्मचारियों के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना।

14. लाइब्रेरी / ज्ञान संसाधन

राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI): ऑनलाइन मुफ्त किताबें, रिसर्च पेपर्स, स्कूल-कॉलेज सामग्री, बहुभाषी संसाधन।

सार्वजनिक पुस्तकालय विकास योजना: शहरी गरीब और झुग्गी क्षेत्रों में छोटी लाइब्रेरी या रीडिंग रूम स्थापित करना।

SLUM LIFE UP LIFTMENT MISSION
झुग्गी झोपड़ी जीवन उत्थान मिशन
झुग्गी मुक्त भारत
स्लम फाउंडेशन

झुग्गी बस्ती क्षेत्रों में छायादार वट वृक्ष के रूप में उभरे , "स्लम फाउंडेशन" का साकार रूप यूं तो 5 मई, 2015 को इसके संगठन के रूप में पंजीकृत होने पर दिखाई देता है ; परंतु इसका उद्धव काफी पहले ही हो चुका था और यह ज़मीनी स्तर पर पहले से ही सक्रिय था सन 1997 में जब राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी, जो मजदूरों और गरीबों के हित चिंतक के रूप में जग प्रसिद्ध थे, उनका एक विशालकाय, अनेक संगठनों का युग्म महासम्मेलन में भाग लेने हेतु मेरठ आगमन होता है, तब उनकी मुलाकात भाजपा युवा मोर्चे के युवा अध्यक्ष पंडित सुनील भराला भारद्वाज से होती है ।

ठेंगड़ी जी की पारखी नजर युवा सुनील की योग्यताओं और संवेदनाओं को पहचान लेती है और पहले ही भेंट में युवा सुनील के मन में अलख जगा देती है कि वह अति पिछड़े, अक्षम, स्वरहीन, पंक्ति में सबसे पीछे, खड़े दीन-हीनो के लिए कार्य में लगे ।

पंडित सुनील भराला जी ने कार्य करना आरंभ किया ही था कि ईश्वर ने उनके कार्य क्षेत्र को ऐसा बड़ा किया कि वह पहले भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बने और तत्पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया।

उनके नेतृत्व में देखते ही देखते एक राष्ट्रीय टीम तैयार हो गई जो बाद में स्लम फाउंडेशन के रूप में परिणित हो गई।

“लोग मिलते गए और कारवां बनता गया।"

80G, 12 A आदि से सशक्त आज स्लम फाउंडेशन की जड़े संपूर्ण भारत देश में व्याप्त हैं।

मिशन के कुछ प्रमुख कार्य

“चुनौतियाँ और भूमिका”

1. "जहां झुग्गी - वही मकान" के मिशन की रचना बनाकर सरकारी स्तर पर विभिन्न प्रदेशों और राष्ट्रीय स्तर पर लागू करवाने का प्रयास करना और उसमें सफलता भी अर्जित करना।

2. बड़े भूमाफियाओं द्वारा झुग्गी निवासियों को उजाड़ कर जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का विरोध करना और माफिया को पीछे हटाकर झुग्गी निवासियों के समर्थन में खड़ा होना और उन्हें बल प्रदान करना।

3. उनके परिचय पत्र बनवाने का मिशन चलाना।

4. परिचय पत्र के आधार पर अंधेरे में डूबे झुग्गियो में "प्रीपेड मीटर” के द्वारा बिजली के कनेक्शन की उपलब्धता के अवधारना की रचना; जिसे बाद में महाराष्ट्र सरकार ने लागू किया तथा इस सन्दर्भ में देश का प्रथम राज्य बना | उसके बाद कई राज्य ने लागू किया |

5. नोटबंदी के दौरान पैसों की कमी झेल रहे झुग्गी निवासियों को नगद पैसों की उपलब्धता करवाना।

6. तीज-त्योहारों को झुग्गी निवासियों के बीच जाकर मनाना।

7. कोरोना महामारी के समय अन्न धन के साथ हर सहयोग और साथ उपलब्ध करवाना। डेढ़ महीने तक भोजन, ताजे फल, दवाई, ओआरएस, जूस के टेट्रा पैक, बिस्किट, 2 तरह की दालें, चावल, घी, 20 किलो आटा, दस हजार से अधिक परिवार को कोरोना काल में वितरित किया गया|

8. शासन प्रशासन में झुग्गी निवासियों की आवाज बनना।

9. बुनियादी आवश्यकताओं जैसे जल, नल, नाली, सफाई की उपलब्धता हेतु कार्य करना ।

10 उनके बच्चों की अच्छे स्कूलों में एडमिशन करवा कर पूर्ण फीस माफी करवाना।

11. पूरी बस्ती को झुग्गियों से उठाकर पक्के बने सरकारी मकानो में स्थानान्तरित करवाना।

12. प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उनके लिए सम्मेलनों का आयोजन करना और देश- समाज के अगुवा व्यक्तियों के सम्मुख झुग्गी निवासियों को बोलने हेतु मंच प्रदान करना।

13. झुग्गी निवासियों के वोट बनवाकर उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करना ।

14. सन् 2014 में लागू हुई, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मिशन "प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना" को जमीनी स्तर तक जरूरतमंदों तक पहुँचाने मे सफलता अर्जित करना।

15. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली आदि क्षेत्रों में करीब 62000 घरों में छत लगवाने का में सफलता अर्जित करना।

महाप्राण दत्तोपंत ठेंगड़ी जी –

हमारे प्रेरणा स्रोत

10 नवंबर 1920 को जन्मे राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे। उन्हें "पद्म भूषण " के अलंकार से सम्मानित करने की घोषणा हुई, जिसे उन्होंने विनम्रता पूर्वक अस्वीकार कर दिया| राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कद्दावर मनीषी श्री ठेंगड़ी जी ही " स्लम फाउंडेशन " के प्रथम संरक्षक थे और सन 2004 में देहावसान तक फाउंडेशन को दिशा दिखाते रहे |

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ श्री राम प्यारे पांडे जी

दत्तोपंत ठेंगडी जी के महानिर्वाण के उपरांत श्री राम प्यारे पांडे जी ने फाउंडेशन के संरक्षक की भूमिका निभाई। संघ के वरिष्ठ प्रचारक व दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक भाजपा के संगठन मंत्री; श्री राम प्यारे पांडे जी ने अपने अंतिम दिनों तक (सन 2018) फाउंडेशन को दिग्दर्शित किया।

हृदय नाथ सिंह जी

वर्तमान अयोध्या जिले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य प्रारंभ करने वाले माननीय हृदय नाथ सिंह जी का जीवन सफर विभाग प्रचारक से होता हुआ, भाजपा के ब्रज क्षेत्र के महामंत्री संगठन के रूप में परिणित हो गया। बाद में वह काशी क्षेत्र के महामंत्री संगठन भी बनाए गए। तत्पश्चात राष्ट्रीय संघठक किसान मोर्चा का भार उठाया।

82 वर्ष की आयु में देहावसान से पूर्व तक उन्होंने स्लम फाउंडेशन के संरक्षक की भूमिका को सक्रियता से निभाया।

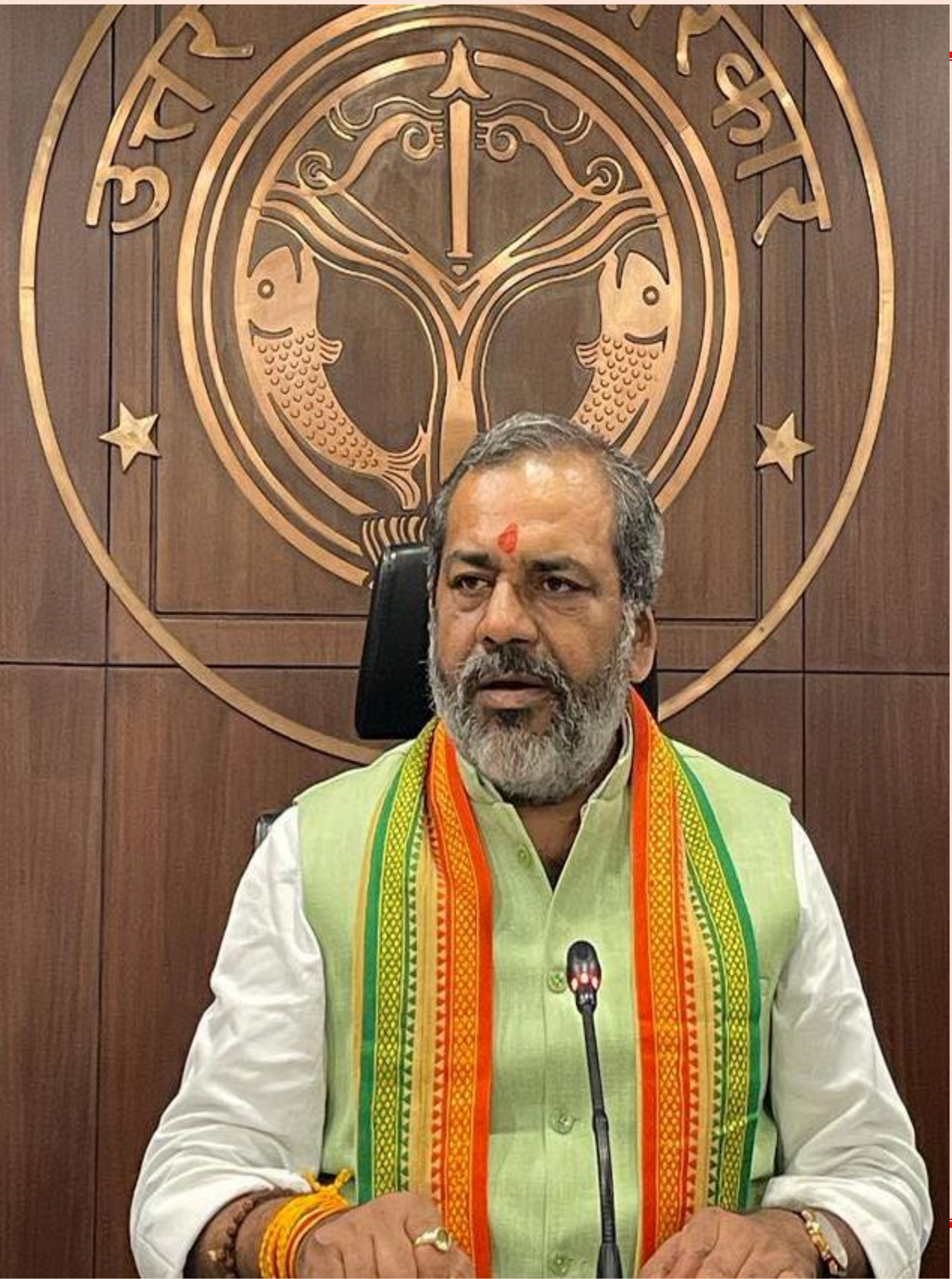

पंडित सुनील भराला जी राष्ट्रीय अध्यक्ष

मिशन के संस्थापक अध्यक्ष पंडित सुनील भराला जी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी में सेवारत रहते हुए यह तीसरी पीढ़ी है। उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी स्व० मलखान सिंह भारद्वाज जी अटल जी के करीबी थे और " दीपक " के निशान पर जनसंघ से चुनाव भी लड़े। पंडित सुनील जी ने भाजपा के झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर कार्य तो किया ही ; तदुपरांत वो उत्तर प्रदेश के "श्रम कल्याण परिषद " के अध्यक्ष बनाए गए और उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा उन्हें प्राप्त हुआ। आपके प्रयासों से स्लम फाउंडेशन देश के अधिक से अधिक क्षेत्रो तक विकसित हुआ और गरीबों की सेवा में रत इस संगठन से लोग जुड़ते चले गए।

हमारे संस्थापक सदस्य

श्री अरुण देव जी
पूर्व उपमहापौर
मुंबई

पंडित सुनील भराला जी संस्थापक अध्यक्ष
पूर्व सह संयोजक भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ
निवर्तमान राज्यमन्त्री उत्तर प्रदेश सरकार

श्री धर्मवीर कपिल जी
सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी
समाज सेवी

श्री नरेश जैन जी
उद्योगपति, लोक उपकारक

श्री अंकुर सक्सेना जी
युवा उद्यमी, उद्योगपति,
मानवतावादी, जनहितैषी

राष्ट्रीय पदाधिकारिगण

श्री अरुण देव जी (महाराष्ट्र)	संरक्षक
पंडित सुनील भराला जी (उत्तर प्रदेश)	संस्थापक – अध्यक्ष
श्री नरेश जैन जी (महाराष्ट्र)	उपाध्यक्ष
श्री कपिल शर्मा जी (मुंबई)	उपाध्यक्ष
श्री अनिल सक्सेना जी (नई दिल्ली)	उपाध्यक्ष
श्री अखिलेश पांडे (रांची, झारखंड)	उपाध्यक्ष
श्री धर्मवीर कपिल जी (उत्तर प्रदेश)	महामंत्री
श्री राजेश्वर डे जी (उत्तर प्रदेश)	महामंत्री
श्री अंकुर सक्सेना जी (नोएडा)	कोषाध्यक्ष
श्रीमती मानसी बरेजा जी (नई दिल्ली)	मंत्री
श्री नितिन कपूर जी (हरियाणा)	मंत्री

राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य

नाम	निवास प्रदेश
श्री अशोक रजानी सदस्य	पंजाब
श्रीमती सरोज व्यास सदस्य	उत्तराखंड
श्री योगेश आत्रे सदस्य	उत्तर प्रदेश
श्री सरोज झा सदस्य	नई दिल्ली
डॉक्टर राम सदस्य	नई दिल्ली
श्रीमती ललिता सिंह सदस्य	समस्तीपुर बिहार
श्री कमल गुप्ता सदस्य	फरीदाबाद हरियाणा
श्री स्नेहिल जोशी सदस्य	अहमदाबाद गुजरात

श्री संजय सिंह सदस्य	तिनसुकिया असम
श्री जावेद सदस्य	राजस्थान
श्री मनीष गुप्ता सदस्य	उत्तर प्रदेश
श्री शिव शंकर सैनी सदस्य	कानपुर उत्तर प्रदेश
श्रीमती सोनी जादान सदस्य	गुजरात
श्री स्वराज उपाध्याय सदस्य	मुंबई
श्री प्रदीप गांधी जी (विशेष आमंत्रित)	छत्तीसगढ
श्रीमती सुमन शुक्ला (विशेष आमंत्रित)	मध्य प्रदेश

PHOTO GALLERY

राष्ट्रऋषि पूजनीय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी
के जयंती पर झुग्गी बस्तियों में कार्यक्रम
1. शिक्षा

श्रम शक्ति
राष्ट्र शक्ति
SLUM FOUNDATION

झुग्गी-झोपड़ी जीवन उत्थान परियोजना

SLUM FOUNDATION

OFFICE OF THE
SLUM LIFE UPLIFTMENT MISSION FOUNDATION
NAGARAM, IMPHAL EAST

Inaugural Function of
SLUM LIFE UPLIFTMENT MISSION FOUNDATION
MANIPUR PRADESH

झुग्गी निवासियों की मूलभूत आवश्यकताएँ

1. पक्के और सुरक्षित आवास
    a. बारिश, गर्मी और सर्दी से सुरक्षा
    b. भीड़-भाड़ से मुक्त, न्यूनतम 1 कमरे का पक्का घर
    c. दीवारें, छत, वेंटिलेशन और खिड़कियाँ होना आवश्यक
2. स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता
    a. नल से नियमित पानी की आपूर्ति
    b. जलस्रोत का संक्रमण मुक्त होना
    c. सामुदायिक या घरेलू जलकुंड/नल
3. स्वच्छता और शौचालय सुविधाएँ
    a. व्यक्तिगत या सामुदायिक शौचालय
    b. नियमित सफाई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
    c. महिलाओं के लिए सुरक्षित शौचालय
4. बिजली और प्रकाश व्यवस्था
    a. हर घर में सुरक्षित बिजली कनेक्शन
    b. स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था
    c. घरेलू उपकरणों के लिए न्यूनतम आपूर्ति
5. सड़क और आवागमन की सुविधा
    a. पक्की सड़कें और गलियाँ
    b. वर्षा जल निकासी की उचित व्यवस्था
    c. सार्वजनिक परिवहन तक पहुंच
6. स्वास्थ्य सेवाएँ
    a. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या मोबाइल हेल्थ यूनिट
    b. टीकाकरण, मातृ एवं शिशु देखभाल
    c. आपातकालीन चिकित्सा सहायता
7. शिक्षा की सुविधा
    a. प्राथमिक विद्यालय की नजदीकी में उपलब्धता
    b. बालिका शिक्षा को बढ़ावा

c. वयस्क शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट की सुविधा

8. पोषण एवं राशन व्यवस्था

a. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत राशन

b. आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को पोषण

9. सुरक्षा और सामाजिक न्याय

a. महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

b. घरेलू हिंसा, बाल श्रम और उत्पीड़न से संरक्षण

c. कानूनी सहायता और पहचान पत्र (आधार, राशन कार्ड)

10. रोज़गार और आजीविका के साधन

11. नशा मुक्त वातावरण

SLUM Foundation (Slum Life Upliftment Mission) का विज़न

"हमारा विज़न एक ऐसे सशक्त, आत्मनिर्भर और गरिमामय समाज का निर्माण करना है, जहाँ झुग्गी बस्तियों में रहने वाला प्रत्येक नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षित आवास और सम्मानपूर्ण जीवन के सभी अधिकारों से युक्त हो। SLUM Foundation यह विश्वास करता है कि प्रत्येक जीवन में बदलाव की संभावना है — और हमारा उद्देश्य है झुग्गियों को स्थायी घरों की उपलब्धता के अवसरों में बदलना।"

"झुग्गी जीवन में आशा, अवसर और आत्मनिर्भरता का संचार करना और उनके जीवन में उत्थान लाना — यही SLUM Foundation का सपना है।"

CONNECT WITH US

FACEBOOK: **slum foundation**

X: **@eslumfoundation**

PHONE NUMBERS: 9599008503

ADDRESS: **OFFICE NO.B-5 SOUTH-EX PLAZA 2 MASJID MOTH SOUTH EX PART 2, NEW DELHI-110049**

WEBSITE: **www.slumfoundation.org**

EMAIL: **slumfoundation@gmail.com**

PLEASE DONATE GENEROUSLY

BANK DETAILS

SLUM LIFE UPLIFTMENT MISSION FOUNDATION

ACCOUNT NUMBER: 3702002100045099

PUNJAB NATIONAL BANK

BRANCH ADD: SECTOR 18, NOIDA (U.P.), 201301

RTGS/NEFT IFS CODE: PUNB0370200

उत्तर प्रदेश सरकार की झुग्गी निवासियों के लिए योजनाए

1. मुख्यमंत्री शहरी आश्रय योजना (Mukhyamantri Shahri Aashray Yojana)

- **लक्ष्य:** शहरी गरीबों को रैन बसेरा और आवास सुविधा प्रदान करना।
- **विशेषताएँ:**
  - शहरी क्षेत्रों में बेघरों के लिए रैन बसेरे
  - भोजन, कंबल, पेयजल और शौचालय की सुविधा
  - निगरानी और सुरक्षा की व्यवस्था

---

2. मुख्यमंत्री नगरीय समग्र विकास योजना (MNSVY)

- **लक्ष्य:** झुग्गी बस्तियों सहित गरीब शहरी क्षेत्रों का समग्र विकास।
- **उपाय:**
  - गलियों का निर्माण
  - सामुदायिक शौचालय
  - पेयजल और जल निकासी की सुविधा

---

3. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना (CM Self Employment Scheme)

- **लाभार्थी:** झुग्गी व शहरी गरीब जो स्वरोजगार करना चाहते हैं।
- **लाभ:**
  - ₹25,000 से ₹1,00,000 तक का ऋण
  - बिना गारंटी के ऋण
  - प्रशिक्षण व मार्केटिंग सहायता

---

4. मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना

- **उद्देश्य:** झुग्गी क्षेत्रों में पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति।
- **लाभ:**
  - हर घर नल योजना के तहत विस्तार
  - जल टंकी, पंप हाउस व पाइपलाइन बिछाने का कार्य

---

5. स्वच्छ उत्तर प्रदेश अभियान

- **लक्ष्य:** झुग्गी और शहरी गरीब क्षेत्रों में साफ-सफाई व कचरा प्रबंधन।
- **प्रमुख कार्य:**
  - कचरा उठान व निस्तारण
  - शौचालय निर्माण
  - लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाना

---

6. शहरी गरीब बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा योजना

- **लाभार्थी:** झुग्गी क्षेत्रों के बच्चे
- **सुविधाएँ:**

- सरकारी व सहायता प्राप्त स्कूलों में प्रवेश
- पाठ्यपुस्तकें, वर्दी, मिड डे मील
- छात्रवृत्ति योजना

---

7. मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला

- **झुग्गी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा**
- **विशेषताएँ:**
  - निःशुल्क स्वास्थ्य जांच
  - दवा वितरण
  - टीकाकरण और परामर्श सेवा

---

8. मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना

- **लक्ष्य:** छोटे शहरों/कस्बों और झुग्गी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का विकास।
- **काम:**
  - सड़कों का निर्माण
  - सोलर लाइटें
  - सामुदायिक भवन

---

9. शहरी गरीबों के लिए डिजिटल पहचान और आवास सर्वे

- **लक्ष्य:** झुग्गी निवासियों का डेटा संग्रह और योजनाओं से जोड़ना।
- **सुविधा:**
  - परिवार पहचान पत्र
  - राशन कार्ड और आवास पात्रता

---

10. मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन योजना

- **झुग्गी क्षेत्र की विधवा/परित्यक्ता महिलाओं के लिए**
- **लाभ:** ₹1000 मासिक पेंशन, सीधी DBT द्वारा भुगतान

प्रदेश सरकार